an>

Title: Need to strengthen security to protect the people as well as Public Sector Undertakings from naxal attacks in Giridih Parliamentary Constituency, Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : झारखण्ड में वामपंथी उग्रवादियों के नाम पर भय का आतंक व्याप्त है। मेरा संसदीय क्षेत्र गिरिडीह, बोकारो और धनबाद जिले के कई सार्वजनिक लोक उपक्रमों का कार्य क्षेत्र है परंतु इन लोक उपक्रमों एवं आस-पास के क्षेत्रों में नक्सली हिंसा से निपटने के लिए समुचित प्रबंध नहीं किए गए हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में नक्सली हमले की संख्याओं में वृद्धि हो रही है। दिनांक 14.07.2015 को रात्रि 9.00 बजे सी.सी.एल. के "खासमहल परियोजना" में कोयले से लदे करीब दो दर्ज ट्रकों/हाइवा में आग लगा दी गई। जिला परिÂाद सदस्य/अद्योहस्ताक्षरी द्वारा मुख्य अभियन्ता, दामोदर घाटी निगम, बीटीपीएस को इस आग बुझाने के लिए दमकम भेजने का आग्रह किया गया क्योंकि घटना स्थल से बीटीपीएस की दूरी 4 किलोमीटर थी परंतु दमकल की गाड़ियाँ आग बुझाने नहीं पहुँचीं।

हमारे संसदीय क्षेत्र में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति का लंबा इतिहास है। अप्रैल, 2006 में खासमहल में ही रात्रि 7.20 में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के शिविर को नक्सलियों द्वारा उड़ा दिया गया और लगभग 00.30 बजे तक मुठभेड़ हुई परंतु आधा किलोमीटर पर पुलिस स्टेशन होने के बावजूद पुलिस बल घटना स्थल पर नहीं पहुँची और सीआईएसएफ कैम्प को भी हटा दिया गया। ऐसी स्थिति में पीएसयूज इस क्षेत्र में नौकरी करने वाले, व्यवसाय करने वाले और निवास करने वाले कितनी असुरक्षा में जीवन व्यतीत कर रहे हैं, यह कल्पना का विÂाय है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि हमारे संसदीय क्षेत्र नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए आमजनों और सार्वजनिक लोक उपक्रम के अंतर्गत निवास करने वाले लोगों के लिए विशेÂा प्रबंध करने हेतु व्यापक सुरक्षा इंतजाम उपलब्ध कराने की कृपा की जाए।